के भी चरणों से, पाया विधि कालवर्गाना है आप पाया विधिकां - है। कई विकारों में, दुनियां पड़ी, निविकार वर्गाना है भीविकार वनाना--।।२।। हि केई घरचे, जिन्हें में ने सम्हाली है आ जिन्हें में ---।प्रा की जीता हुआ जीवन था अब हंखके बिताना है आ अब हैंखने --।।या श्री निर्विषाद् तेशा जीवन, ये देवीं की भाया है आपने देवीं की --- । २। की अब भी पुकारीने, उनकी तीड़के आनारे "उनकी वीड़के---।।२॥ ) इन निध्यों की वास्त तो वही ही अनीकिक हैं ""वही ही---।ह्या नेई विकारि छ " श्री बावाश्री की में तेरी केंग्रा की होंग मिली अप तेरे केंग्रा --- ।या मोली में, तेरी विधियों की जीवन भर निमाना है जीवन भर-पार्थ। में के श्री चेरणों से पारा विद्या का रवनाना है "पारा विद्या ।।।। केंद्र विकारों में दु निया पड़ी, निर्विकार वनागरि प्यानिकार बनाग- पता